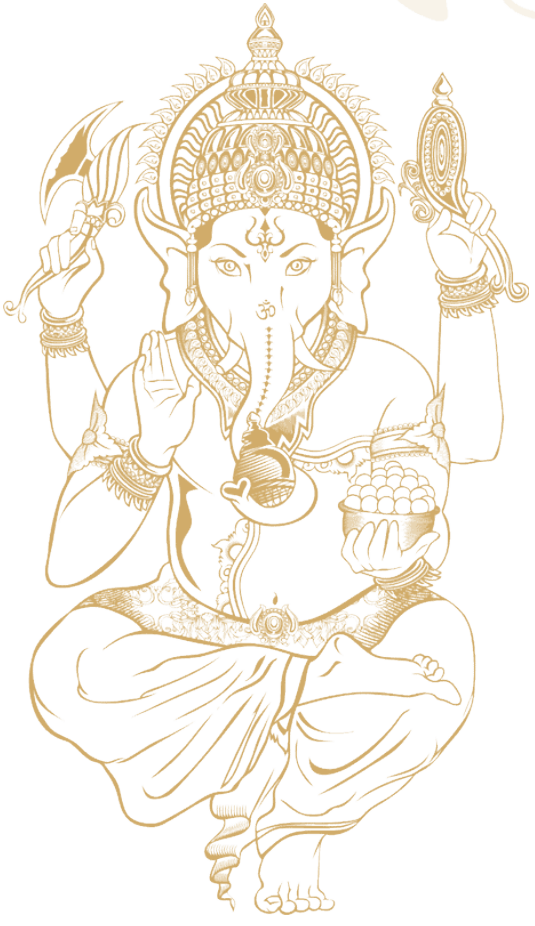

Mr.ambarish

26 Sep 2001

12:00 AM

Mainpuri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121051804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/09/2001**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:00:20 घंटे**
इष्ट	44:51:23 घटी
स्थान	**Mainpuri**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:14:00 उत्तर
रेखांश	79:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:46:24 घंटे
वेलान्तर	00:08:16 घंटे
साम्पातिक काल	00:04:58 घंटे
सूर्योदय	06:03:46 घंटे
सूर्यास्त	18:07:04 घंटे
दिनमान	12:03:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	08:52:32 कन्या
लग्न के अंश	18:46:55 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:46:55	316:50:00	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	08:52:32	00:58:48	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			धनु	24:20:49	12:04:21	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			धनु	15:33:15	00:35:36	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			तुला	03:57:38	00:34:15	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मिथु	19:33:54	00:06:48	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	11:50:18	01:13:23	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि			वृष	21:05:30	00:00:08	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	08:01:09	00:01:03	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	08:01:09	00:01:03	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:31:34	00:01:36	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:15:03	00:00:43	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	18:57:44	00:01:04	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मीन	07:28:18	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:35

लग्न-चलित

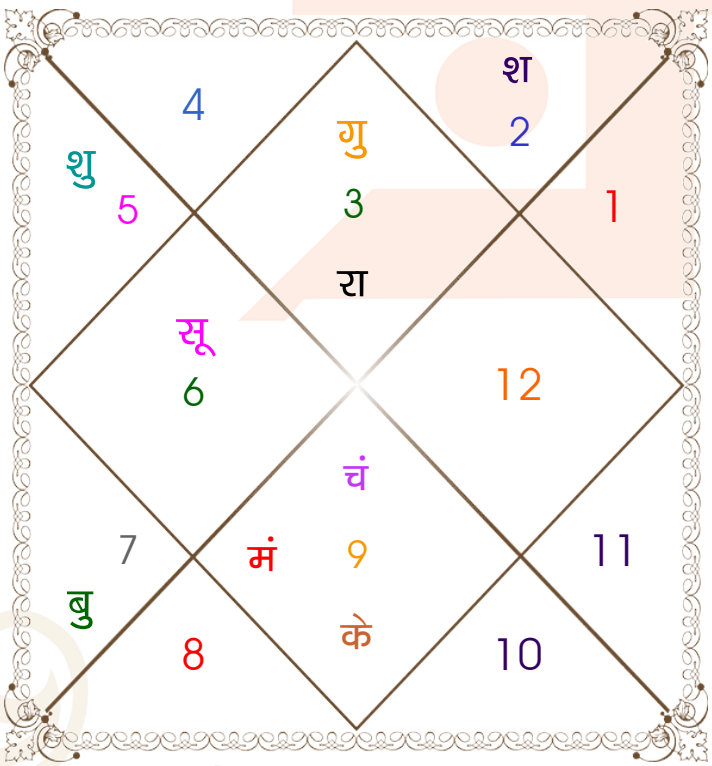

चन्द्र कुंडली

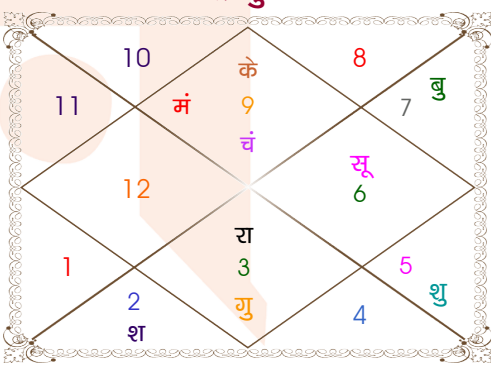

नवमांश कुंडली

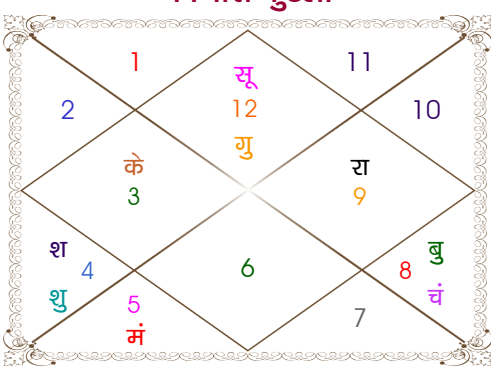

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 5 मास 22 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/09/2001		19/03/2005		20/03/2011		19/03/2021		19/03/2028	
19/03/2005		20/03/2011		19/03/2021		19/03/2028		20/03/2046	
	00/00/0000	सूर्य	07/07/2005	चंद्र	18/01/2012	मंगल	16/08/2021	राहु	30/11/2030
	00/00/0000	चंद्र	06/01/2006	मंगल	18/08/2012	राहु	03/09/2022	गुरु	25/04/2033
	00/00/0000	मंगल	13/05/2006	राहु	17/02/2014	गुरु	10/08/2023	शनि	01/03/2036
	00/00/0000	राहु	07/04/2007	गुरु	19/06/2015	शनि	18/09/2024	बुध	18/09/2038
	00/00/0000	गुरु	24/01/2008	शनि	18/01/2017	बुध	15/09/2025	केतु	07/10/2039
	00/00/0000	शनि	05/01/2009	बुध	19/06/2018	केतु	11/02/2026	शुक्र	07/10/2042
	26/09/2001	बुध	12/11/2009	केतु	18/01/2019	शुक्र	13/04/2027	सूर्य	31/08/2043
बुध	18/01/2004	केतु	20/03/2010	शुक्र	18/09/2020	सूर्य	19/08/2027	चंद्र	01/03/2045
केतु	19/03/2005	शुक्र	20/03/2011	सूर्य	19/03/2021	चंद्र	19/03/2028	मंगल	20/03/2046

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
20/03/2046		20/03/2062		19/03/2081		20/03/2098		20/03/2105	
20/03/2062		19/03/2081		20/03/2098		20/03/2105		00/00/0000	
गुरु	07/05/2048	शनि	22/03/2065	बुध	16/08/2083	केतु	16/08/2098	शुक्र	20/07/2108
शनि	18/11/2050	बुध	01/12/2067	केतु	12/08/2084	शुक्र	16/10/2099	सूर्य	20/07/2109
बुध	23/02/2053	केतु	08/01/2069	शुक्र	13/06/2087	सूर्य	21/02/2100	चंद्र	21/03/2111
केतु	30/01/2054	शुक्र	10/03/2072	सूर्य	19/04/2088	चंद्र	22/09/2100	मंगल	20/05/2112
शुक्र	30/09/2056	सूर्य	20/02/2073	चंद्र	18/09/2089	मंगल	18/02/2101	राहु	21/05/2115
सूर्य	19/07/2057	चंद्र	21/09/2074	मंगल	15/09/2090	राहु	09/03/2102	गुरु	19/01/2118
चंद्र	18/11/2058	मंगल	31/10/2075	राहु	04/04/2093	गुरु	12/02/2103	शनि	20/03/2121
मंगल	25/10/2059	राहु	06/09/2078	गुरु	11/07/2095	शनि	23/03/2104	बुध	27/09/2121
राहु	20/03/2062	गुरु	19/03/2081	शनि	20/03/2098	बुध	20/03/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 6 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।